बिहार पशु चिकित्सा संघ

कार्यालय - विद्यापति मार्ग, पटना-800001

Email- bvapatna@gmail.com

डॉ० राय चन्द्र पासवान
अध्यक्ष
मो० 9471867310

डॉ० विनोद कुमार मुक्ता
प्रधान महासचिव
मो० 7488601083

पत्रांक- -65 दिनांक- -17-07-2020

महासचिव
डॉ० दिलीप कुमार
मो० 9801881887
उपाध्यक्ष
डॉ० शोभा कुमारी
मो० 7858012676
डॉ० जितेन्द्र कुमार भोला
मो० 6203955586
डॉ० सुधांशु कुमार
मो० 9939365429
डॉ० अंजनी कु० सिन्हा
मो० 9334164261
संगठन सचिव
डॉ० अनिल कुमार निर्झर
मो० 8002460154
कोषाध्यक्ष
डॉ० जितेन्द्र प्रसाद
मो० 9431033631
वित्त सचिव
डॉ० प्रमोदानंद लाल दास
मो० 9431472705
अंकेक्षक
डॉ० विजय प्रसाद मंडल
मो० 9430947979
तकनीकी सचिव
डॉ० सीमु
मो० 9471642606
प्रचार सचिव
डॉ० अंशु कुमार
मो० 9572165500
क्षेत्रीय सचिव
डॉ० सत्य नारायण यादव
मो० 9204908025
डॉ० संजीत कुमार
मो० 7070521479
डॉ० पंकज कुमार
मो० 8178451672
डॉ० करुणा भारती
मो० 9905277744
डॉ० साकेत कुमार
मो० 9471404196
डॉ० राजशेखर
मो० 7979085551
डॉ० निरंजन कुमार
मो० 9162394546
डॉ० उपेंद्र कुमार चौधरी
मो० 7091974830

सेवा में,

माननीय मुख्यमंत्री महोदय,

बिहार सरकार, पटना।

विषय ः–राज्य के पशुचिकित्सकों के तबादले से उत्पन्न हुई गम्भीर सम्स्याओ के समाधान के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में महोदय का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहना है कि वर्त्तमान सरकार के सत्तासीन होते ही न्याय के साथ विकास की झलक दिखने लगी थी। महोदय के सक्षम, पारदर्शी, कुशल एवं अतुल्य नेतृत्त के कारण दसकों से उपेक्षित पशुपालन विभाग में भी विकास के कई नये कीर्तिमान स्थापित हुए। महोदय की समावेशी विकास की नीति भी अत्यन्त सफल रही है। हमारे पशुचिकित्सक भी सकारात्मक भाव, निष्ठा एवं परिश्रम के साथ जुड़े रहे, जिसके फलस्वरुप पशुपालन विभाग को अखिल भारतीय स्तर पर पहचन के साथ– साथ कई पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

परन्तु न्याय के साथ विकास की प्रतिवद्धता एवं समावेशी विकास के लिए विख्यात राज्य में पशुचिकित्सकों को अभी भी न्याय मिलना शेष है। 28 जनवरी, 2019 को ज्ञान भवन में महोदय के द्वारा की गई एतिहासिक घोषणा के फलस्वरुप संविदा पर पशुचिकित्सकों का मानदेय 65,000/– रुपया किया गया, इसके लिए हम पशुचिकित्सकगण आपका सदा आभारी रहेंगे। अन्य माँगे अर्थात् डी०ए०सी०पी० एवं पद सोपान लंबित है। सन् 1996 के उपरांत आजतक किसी पशुचिकित्सक को नियमित प्रोन्नति नहीं दी गई; परिणामस्वरुप 90% पशुचिकित्सक अपने मूल पद से ही सेवा निवृत हो जाते हैं। इसका ज्वलन्त उदाहरण है दिनांक 30.06.2020 स्थानान्तरण अधिसूचना, जिसमें लगभग 80 वरीय पदों को रिक्त छोड़ दिया गया है तथा वरीय पशुचिकित्सकों को प्रोन्नति वाले पदों से वंचित रखा गया है। इससे पशुचिकित्सकों में घोर निराशा, असंतोष एवं उपेक्षा की भावना व्याप्त है।

जबकि हमारे पशुचिकित्सकों का कार्य अत्यन्त चुनौतीपूर्ण, कष्टसाध्य, श्रमसाध्य एवं जोखिमपूर्ण है। पशुचिकित्साल्यों में अधीनस्थ कर्मियों की नियुक्ति कई दसकों से नहीं हुई है। इसलिए कर्मियों का घोर अभाव है। पशुचिकित्सक को एक ही साथ लिपिक, फार्मासिस्ट, पशुधन सहायक, लैब टेक्निशियन, चिकित्सक आदि सभी भूमिकाओं को निभाना पड़ता है, जो अपमानजनक तथा कष्टदायक है। पशुचिकित्सकों के Multi Tasking होने से चिकित्सा कार्य की गुणवत्ता ही दुष्प्रभावित होती जा रही है। जून 2020 में 400 पशुचिकित्सको का स्थानान्तरण–पदस्थापन किया गया है, जिसके उपरांत पटना के आस–पास जिलो में 90 से 95%ः पशुचिकित्सकों का पदस्थापन किया गया, परन्तु शेष जिलो में 50% से अधिक रिक्तियाँ पशुचिकित्सको के अभाव में नहीं भ्री जा सकी। सुदूर जिलों में एक–एक पशुचिकित्सक चार–चार अतिरिक्त प्रभार दिया गया जिससे विभागीय कार्यो तथा आदेशों का अनुपालन पशुचिकित्सकों के मानसिक एवं शारीरिक स्तर पर प्रतिकुल प्रभाव पड रहा है।